संत गाडगे बाबा अमरावती विद्यापीठ के छात्र-छात्राओं का स्त्री अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा में शैक्षणिक भ्रमण

दिनांक 26/09/2018 को संत गाडगे बाबा अमरावती विद्यापीठ के शिक्षक तथा छात्र-छात्राओं ने स्त्री अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस उपलक्ष्य में स्त्री अध्ययन विभाग के द्वारा एक परिचय/परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम आए हुए अतिथियों का स्वागत सुत की माला और बुके देकर किया गया।

कार्यक्रम का संचालन विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. अवन्तिका शुक्ला ने किया। मंच संचालन करते हुए डॉ. अवन्तिका शुक्ला ने कहा कि यह समय की जरूरत है कि जितने भी स्त्री अध्ययन विभाग और सेंटर चल रहे हैं उनका आपस में एक-दूसरे के साथ समन्वय स्थापित किया जाए। हमारे यहाँ विभिन्न विषयों पर शोध हो चुके हैं और हो रहे हैं। इस प्रकार के कार्यक्रमों द्वारा हम एक-दूसरे के शोधों से और परिचित हो सकेंगे।

स्त्री अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुप्रिया पाठक ने स्त्री अध्ययन विभाग की संकल्पना और इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वर्तमान में इस विभाग में एम ए, एम फिल, पीएचडी के साथ तीन डिप्लोमा कोर्सेज भी चलाए जा रहे हैं। स्त्री अध्ययन आंदोलन से निकला विषय है इसलिए इसका आंदोलनों से गहरा रिश्ता रहा है। भारत के कई क्षेत्रों के विद्यार्थी यहाँ अध्ययन कर रहे हैं। स्त्री-अध्ययन से संबन्धित हिंदी में जितनी पुस्तकें है वे यहाँ मौजूद हैं। साथ ही विभिन्न शोध-पत्र जो

प्रकाशित होते हैं उसे हम अपनी लाइब्रेरी में रखने की कोशिश करते हैं ताकि विद्यार्थी/शोधार्थी नई-नई जानकारियों से अपडेट होते रहे।

संत गाडगे बाबा अमरावती विद्यापीठ के स्त्री अध्ययन सेंटर से आई प्रोफेसर वैशाली गुड़धे ने बताया कि हमारे यहां 2012 में सेंटर खोलने की प्रक्रिया आरंभ हुई उस समय हमें पाठ्यक्रम बनाना था और इस सिलसिले में हमने डॉ. सुप्रिया पाठक और डॉ. अवन्तिका शुक्ला से संपर्क किया। यहां से फिर पाठ्यक्रम का निर्माण हुआ जिसके लिए हम स्त्री अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के आभारी हैं।

उन्होंने बताया कि यवतमाल जिले में कुंवारी माता की प्रथा है जिसकी कई समस्याएं हैं, उस पर हम काम कर रहे हैं। इसके साथ ही महिलाओं से जुड़े हुए कई अन्य मुद्दों पर भी हम अपने क्षेत्र में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिन्दी विश्वविद्यालय में आकर हमें बहुत अच्छा लग रहा है।

अमरावती विद्यापीठ के सहायक प्रोफेसर भगवान फाल्के ने स्त्री अध्ययन विभाग के पहल की सराहना करते हुए कहा कि हमें इस तरह के और भी कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। उन्होंने बताया कि जबसे स्त्री अध्ययन सेंटर संत गाडगे बाबा अमरावती विद्यापीठ में खुला, तबसे वहां लड़कियों की संख्या बढ़ने लगी। हमारे यहां ज्यादातर गांवों और कस्बों से छात्र और छात्राएं आते हैं। अन्य लोगों के साथ मिलकर जेंडर संवेदनशीलता को हम और अच्छे तरीके से प्रसारित कर सकें इसका भी प्रयास कर रहे हैं। वर्धा आकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।

इसके बाद स्त्री अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर श्री शरद जायसवाल ने अपने अनुभवों को साझा किया॥ उन्होंने ट्राईबल सोसायटी का जिक्र करते हुए बताया कि आदिवासी समाज जो एक बंद समाज था आज खुले समाज के रूप में परिवर्तित हो रहा है। ग्लोबलाइजेशन के आने पर इसके ऊपर उसका व्यापक प्रभाव पड़ रहा है।

अमरावती से आए हुए छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने अनुभव साझा किए और बताया कि हमें सिर्फ स्टडी पर ध्यान केंद्रित न करते हुए एक्शन पर भी ध्यान देना चाहिए, जो कि अभी अपेक्षित रूप में नहीं हो पा रहा है। किसी कम्युनिटी में समस्या है तो हमें वहां पर जाकर कार्य करने की जरूरत है। जब हम इस डिसिप्लिन में आए तब हमें पता चला कि हमें जीवन में क्या करना चाहिए और हमारे शोषण के कारण और निवारण क्या है। अगर हम खुद को सुधारेंगे तो फिर धीरे-धीरे समाज और देश भी सुधर जाएगा।

हिंदी विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग के छात्र-छात्राओं ने भी अपने अनुभव साझा किए। विभाग की छात्रा प्रियंका, राजलक्ष्मी, कीर्ति आदि ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि जब हमने यहाँ पढ़ना शुरू किया तब हमें परिवार और समाज को देखने का नया नजरिया मिला। यहाँ कई सारी चीजें सीखने को मिली।

कार्यक्रम के अंत में स्त्री अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री राहुल ने सभी वक्ताओं और छात्र-छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में काफी संख्या में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम के बाद अमरावती से आए हुए छात्र-छात्राओं ने स्त्री अध्ययन विभाग की लाइब्रेरी में विजिट किया। उसके बाद हिंदी विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी के साथ ही विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि हम इसी तरह दोबारा यहां आए और यहां के

लोगों से मिलकर अपने और यहां के रिसर्च के बारे में और ज्यादा से ज्यादा जानकारी का आदान-प्रदान करें।

रिपोर्टिंग- श्याम प्रकाश

पीएचडी स्त्री अध्ययन

म.गाँ.अ.हिं.वि.वर्धा